ARYAN | Page No. | Date / /

बौद्ध काल में स्त्री शिक्षा (Women Education in Buddhist Period)

बौद्ध काल में स्त्रियों की शिक्षा को व्यवस्थित रूप से नियोजित किया गया था। महात्मा बुद्ध ने स्त्रियों को संघ में प्रवेश करने की आज्ञा प्रदान कर दी थी। बौद्ध साहित्य से स्पष्ट होता है कि उस काल में स्त्रियों की शिक्षा पर कोई पाबंदी नहीं थी और वे पुरुषों की भाँति ही ज्ञान तथा अध्यात्म के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करती थीं। समाज में शिक्षित स्त्रियों की संख्या बहुत अधिक थी। इस काल की विदुषी महिलाओं में अम्बपाली, अनोपमा, उत्तमा, चन्दा, तिस्सा, विमला के नाम मिलते हैं। सम्राट अशोक की बहन संघमित्रा बौद्ध धर्म का प्रचार करने के लिए लंका गई थी। इस काल में धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ लौकिक विषय भी पढ़ाये जाते थे। प्रवचन, व्याख्यान, प्रश्नोत्तर, तर्क विचार-विनिमय, देशाटन आदि ज्ञान प्राप्त करने की विधियाँ थीं। इस प्रकार बौद्ध काल में स्त्रियाँ पीछे नहीं रहीं और निरंतर शिक्षा प्राप्त करती रहीं, लेकिन बौद्ध के ह्रास के कारण स्त्री शिक्षा की प्रगति रुक गई।